दैनिक भास्कर रांची 17-02-2024

# एक्सआईएसएस में मूवफॉर अर्थ सिम्पोजियम में एक्सपर्ट ने पर्यावरण संरक्षण के तरीके बताए

सिटी रिपोर्टर | रांची

एक्सआईएसएस और स्विचऑन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान निकालने और स्थिरता की दिशा में काम करने के लिए 'मूवफॉर अर्थ सिम्पोजियम- 2024' का आयोजन किया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने कहा कि पर्यावरण आज संकट में है और इसके लिए जागरूकता पैदा करने और कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। निदेशक डॉ. जोसफ मारियनुस कुजूर एसजे ने कहा कि एक आदिवासी राज्य के रूप में हम पर्यावरण संरक्षण के तरीकों को बेहतर जानते हैं। स्विचऑन फाउंडेशन के विनय जाजू, विकासचंद्र शेखर, डॉ. अमर एरोन तिग्गा आदि मौजूद थे।

प्रदर्शनी-सह-विक्री स्टॉल में महुआ माजी

## पढ़िया साड़ी शोकेस, छिलका रोटी, मड़ुवा पीठा चखे

प्रदर्शनी-सह-बिक्री में किसान उत्पादक समूहों व छात्रों ने स्टॉल लगाए। गोला पॉलिटेक्निक, डीएसपीएमयू, केके पॉलिटेक्निक ने सीवेज अपशिष्ट प्रबंधन, माइक्रोबियल ऊर्जा उत्पादन, सोलरवेंडर लाइट, किक स्कूटर और गियरलेस पावर ट्रांसमिशन को मॉडल में दिखाया। मेरी मिंज ने सिल्क साड़ी, पढ़िया साड़ी, जामुन रस व अचार का स्टॉल लगाया था। उजवंती टोपनो व पवन कुमार ने सहजन और चाकोड़ का सूखा साग, मड़ुवा आटा के स्टॉल लगाए थे। आजीविका पलाश दीदी कैफे में छिलका रोटी, मड़ुवा पीठा, डुंबु का लुत्फ उठाते लोग नजर आए।

**PRESS : DAINIK BHASKAR**

# ‘पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हम सबको जागरूक होना जरूरी’

## एक्सआइएसएस व स्विचआन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप में मूव फार अर्थ सिम्पोजियम का आयोजन किया, इसमें कई लोगों ने विचार व्यक्त किए

जासं, रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआइएसएस), रांची और स्विचआन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान निकालने और स्थिरता की दिशा में सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए मूव फार अर्थ सिम्पोजियम का आयोजन शुक्रवार को संस्थान परिसर में किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सबको जागरूक होना पड़ेगा।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण से संबंधित विषयों की तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, झारखंड राज्य के हितधारकों ने इस सिम्पोजियम में भाग लिया। जिसका उद्देश्य सकारात्मक बदलाव के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना था। सिम्पोजियम की शुरुआत उद्घाटन सत्र में विकास और नवीनीकरण के प्रतीक पौधों को पानी देने से हुई, जिसके बाद सम्मानित वक्ताओं ने संबोधन दिए।

एक्सआइएसएस के निदेशक डा. जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि एक्सआइएसएस को स्विचआन फाउंडेशन के साथ पर्यावरण से संबंधित इस साझेदारी पर गर्व है। स्विचआन फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक विनय जाजू ने कहा कि मूव फार अर्थ सिम्पोजियम के माध्यम से, हम सरकार, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, छात्रों, शिक्षाविदों, किसानों, एसएचजी सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल करके समुदायों के भीतर स्थिरता को बढ़ावा देना चाहते हैं। हरित उद्यमियों का झारखंड के पर्यावरण के लिए व्यावहारिक चर्चा में शामिल होना आवश्यक है। इस सिम्पोजियम में पर्यावरण के कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, टिकाऊ कृषि, परिपत्र अर्थव्यवस्था और स्वच्छ हवा पर केंद्रित है, जो एक स्थायी झारखंड के लिए महत्वपूर्ण है। इस बीच, मुख्य अतिथि, डा महुआ माझी, सांसद, राज्यसभा ने कहा कि झारखंड के सतत विकास के लिए एक्सआइएसएस और स्विचआन फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मूव फार द अर्थ सिम्पोजियम को देखना वास्तव में उत्साहजनक है। पर्यावरण आज संकट में है और इसके लिए जागरूकता पैदा करने और समाधानों और कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। मौके पर बड़ी संख्या में कालेज के विद्यार्थी व अभिभावक मौजूद थे।

Government of Jharkhand
Rural Works Department
JHARKHAND STATE RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
3rd Floor, FFP Building, Dhurwa, Ranchi 834004, Jharkhand
PhoneNo.:-0651-2401741, e-mail : jh-ce@pmgsy.nic.in
NIT NO : 325 Date: 15.02.2024

**PRESS : DAINIK JAGRAN**

# हमारी गलतियों के कारण पर्यावरण को क्षति हो रही : माजी

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

पर्यावरण में क्षति हमारी अपनी गलतियों के कारण हो रही है. इसका असर सभी पर पड़ता है. इसके अलावा प्रकृति का दोहन हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है. ये बातें राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने कहीं. वह शुक्रवार को एक्सआइएसएस और स्विच ऑन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक्सआइएसएस कैंपस में आयोजित मुव फॉर अर्थ सिम्पोजियम को संबोधित कर रही थीं. मौके पर उन्होंने कहा कि हमें अपनी जरूरतें कम करनी होंगी और प्रकृति के साथ मिलकर चलना होगा. उन्होंने आदिवासी संस्कृति का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके हर संस्कार में प्रकृति को शामिल किया जाता है. आज स्थिति ऐसी हो गयी है कि शहरों के लोग प्रकृति के पास वापस आ रहे हैं.

कैंपस मे नुक्कड़ नाटक का मंचन करते विद्यार्थी.

**आनेवाली पीढ़ी को बेहतर धरती सौंपें** : एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने कहा कि हमारी धरती हमारा घर है और हम इसके महत्वपूर्ण अंग हैं. इसलिए अगर हमने इसे पाया है, तो हमारी जिम्मेदारी है कि इसे आनेवाली पीढ़ी को बेहतर रूप में सौंपें. अगर हम पर्यावरण को बचाना चाहते हैं, तो हमें मिलकर काम करना होगा. इसके साथ ही हमें अपनी मानसिकता बदलनी होगी. स्विच ऑन फाउंडेशन के एमडी विनय जाजू ने कहा कि इस सिम्पोजियम के माध्यम से हम सरकार, उद्योगों, सरकारी संगठनों, छात्रों, शिक्षाविदों और किसानों सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल करके समुदायों में स्थिरता को बढ़ावा देना चाहते हैं. इस दौरान आइएएस चंद्रशेखर ने सतत विकास लक्ष्यों को पाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोगात्मक प्रयास के महत्व पर जोर दिया. इस दौरान कैंपस में नुक्कड़ नाटक का भी किया गया.

कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर डॉ महुआ माजी, डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर व अन्य.

**किसान उत्पाद समूहों व छात्रों ने लगायी प्रदर्शनी**: सिम्पोजियम में प्रदर्शनी-सह-बिक्री का भी आयोजन किया गया. यहां किसान उत्पादक समूहों और छात्रों ने अपने प्रदर्शन के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा और स्वस्थ जीवन व भोजन की आदतों का प्रदर्शन किया. अंजनी ई-कचरा पुनर्चक्रण, कोरू फाउंडेशन, स्वाभिमान संस्थान, शिविका शिल्पकारी सहकारी सहयोग समिति लिमिटेड, वैष्णवी इंजीनियरिंग व पलाश-एसएचजी से किसान उत्पादक बने संगठन सहित अन्य ने अपने स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन किया. स्टॉल में मॉडल, जलवायु स्मार्ट कृषि और शून्य बजट प्राकृतिक खेती सहित अन्य चीजें भी शामिल थीं. इसके अलावा डीएसपीएमयू, गोला पॉलिटेक्निक और केके पॉलिटेक्निक धनबाद के छात्रों ने सीवेज अपशिष्ट प्रबंधन विधि, माइक्रोबियल ऊर्जा उत्पादन, सोलर वेंडर लाइट, किक स्कूटर और गियरलेस पावर ट्रांसमिशन का प्रदर्शन किया.

**PRESS : PRABHAT KHABAR**

## ‘मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम-2024’ पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

# पर्यावरण संरक्षण को गंभीर कदम उठाने होंगे: महुआ

**एक्सआईएसएस**

- पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान पर एक्सआईएसएस में मंथन
- कार्यक्रम में 250 प्रतिभागी और 20 वक्ताओं की रही उपस्थिति

जेवियर समाज सेवा संस्थान में पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान विषय पर शुक्रवार को ‘मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम-2024’ में मौजूद डॉ महुआ माजी व अन्य।

**रांची, प्रमुख संवाददाता।** जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) और स्विचऑन फाउंडेशन की ओर से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान निकालने और स्थिरता की दिशा में सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को- मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम-2024 का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने कहा कि प्रदूषण ने जहां एक तरफ ओजोन परत को चोट पहुंचाई है, वहीं दूसरी तरफ वातावरण को प्रदूषित कर जीवन को बड़े संकट में भी डाल दिया है। यदि पर्यावरण के प्रति हम अब भी नहीं चेते तो आने वाला समय काफी गंभीर स्थिति पैदा करेगा। पर्यावर संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। पर्यावरण को बचाने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे।

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने कहा, एक आदिवासी राज्य के रूप में हम पर्यावरण संरक्षण के तरीकों को बेहतर रूप से जानते हैं। अब बेहतर भविष्य के लिए उनका प्रयोग पर्यावरण की सुरक्षा के लिए शुरू करना होगा।

**पहल झारखंड के लिए महत्वपूर्ण:** स्विचऑन फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक विनय जाजू ने कहा कि मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम के माध्यम से हम सरकार, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, छात्रों, शिक्षाविदों, किसानों, एसएचजी सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल करके समुदायों के भीतर स्थिरता को बढ़ावा देना चाहते हैं। पर्यावरण के महत्वपूर्ण मुद्दों- नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, कृषि, अर्थव्यवस्था, स्वच्छ हवा और स्थायी झारखंड के लिए महत्वपूर्ण है।

**250 प्रतिभागी और 20 वक्ता शामिल हुए:** सिम्पोजियम में पर्याव रणीय मुद्दों और संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श के लिए 250 प्रतिभागी और 20 वक्ता शामिल हुए। इसमें सरकार, उद्योग, गैर-सरकारी संगठनों, शिक्षा जगत और अन्य क्षेत्रों से भागीदारी रही। तकनीकी सत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन व व्यवहार परिवर्तन, डीकार्बोनाइजिंग उद्योग और कॉर्पोरेट स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

**PRESS : HINDUSTAN**

# एक्सआईएसएस में मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम का हुआ आयोजन

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची और स्विचऑन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान निकालने और स्थिरता की दिशा में सामूहिक कारवाई को प्रेरित करने के लिए मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम 2024 का आयोजन शुक्रवार को संस्थान परिसर में किया। मुख्य अतिथि, डा. महुआ माजी, सांसद, राज्यसभा ने कहा कि झारखंड के सतत् विकास के लिए एक्सआईएसएस और स्विचऑन फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मूव फॉर द अर्थ सिम्पोजियम को देखना वास्तव में उत्साहजनक है। पर्यावरण आज संकट में है और इसके लिए जागरूकता पैदा करने और समाधानों और कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। एक्सआईएसएस के निदेशक डा. जोसफ मरियानुस कुजूर ने अपने स्वागत करते हुए कहा कि, एक्सआईएसएस को स्विचऑन फाउंडेशन के साथ पर्यावरण से सम्बंधित इस साझेदारी पर गर्व है। इस प्रयास से हम अर्थशास्त्र, सामाजिक और पर्यावरण के तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लक्षित करते हैं और अब हमें परिवर्तन के प्रबंधक बनना चाहिए। एक आदिवासी राज्य के रूप में, हम पर्यावरण संरक्षण के तरीकों को बेहतर जानते हैं क्योंकि वे कई शताब्दियों से चलन में हैं और अब बेहतर भविष्य के लिए उनका प्रयोग पर्यावरण की सुरक्षा के लिए शुरू करना होगा, जिससे समाज वह आवश्यक बदलाव आये जो हमारे आने वाली पीढ़ी को जीवन का वरदान दे। स्विचऑन फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक, विनय जाजू ने कहा कि मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम के माध्यम से, हम सरकार, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, छात्रों, शिक्षाविदों, किसानों, एसएचजी सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल करके समुदायों के भीतर स्थिरता को बढ़ावा देना चाहते हैं। हरित उद्यमियों का झारखंड के पर्यावरण के लिए व्यवहा. रिक चर्चा में शामिल होना आवश्यक है।

**PRESS : AAJ**

# पर्यावर संरक्षण को कदम उठाने होंगेः महुआ

● 250 प्रतिभागी और 20 वक्ता शामिल हुए

पंच संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) और स्विचऑन फाउंडेशन की ओर से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान निकालने और स्थिरता की दिशा में सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को- मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम-2024 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने कहा कि प्रदूषण ने जहां एक तरफ ओजोन परत को चोट पहुंचाई है, वहीं दूसरी तरफ वातावरण को प्रदूषित कर जीवन को बड़े संकट में भी डाल दिया है। यदि पर्यावरण के प्रति हम अब भी नहीं चेते तो आने वाला समय काफी गंभीर स्थिति पैदा करेगा। पर्यावर संरक्षण हम सबकी

जिम्मेदारी है। पर्यावरण को बचाने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने कहा, एक आदिवासी राज्य के रूप में हम पर्यावरण संरक्षण के तरीकों को बेहतर रूप से जानते हैं। अब बेहतर भविष्य के लिए उनका प्रयोग पर्यावरण की सुरक्षा के लिए शुरू करना होगा। स्विचऑन फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक विनय जाजू ने कहा कि मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम के माध्यम से हम सरकार, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, छात्रों, शिक्षाविदों, किसानों, एसएचजी सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल करके समुदायों के भीतर स्थिरता को बढ़ावा देना चाहते हैं। पर्यावरण के महत्वपूर्ण मुद्दों- नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, टिकाऊ कृषि, परिपत्र अर्थव्यवस्था और स्वच्छ हवा, स्थायी झारखंड के लिए महत्वपूर्ण है। सिम्पोजियम में पर्यावरणीय मुद्दों और संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श के लिए 250 प्रतिभागी और 20 वक्ता शामिल हुए। इसमें सरकार, उद्योग, गैर-सरकारी संगठनों, शिक्षा जगत और अन्य क्षेत्रों से भागीदारी रही। तकनीकी सत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन और व्यवहार परिवर्तन, डीकाबोर्नाइजिंग उद्योग और कॉर्पोरेट स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

**PRESS : PUNCH**

# XISS & SwitchON Foundation organise 'Move for Earth Symposium 2024'

PNS : RANCHI

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi and SwitchON Foundation in a collaborative effort jointly organised, "Move for Earth Symposium 2024" to address pressing environmental challenges and inspire collective action towards sustainability in the XISS Campus on Friday.

Recognizing the urgent need for action in both rural and urban areas, stakeholders from across the state of Jharkhand convened at the symposium which aimed at fostering collective efforts for positive change. The event saw active participation from multiple sectors including Government, Industries, NGOs, Academia, and others.

The symposium commenced with an inaugural session marked by the watering of plants symbolizing growth and renewal, followed by insightful addresses from esteemed speakers. Dr Joseph Marianus Kujur, Director, XISS in his welcome addressed said, "XISS is committed to enable the cause of sustainability and is proud of this partnership with SwitchON Foundation. With this effort we target three important areas of Economics, Society, and Environment and must become the stewards of change. As a tribal state, we know Environment Conservation methods better as they have been in the practice for several centuries now and must bring in those changes for a better future."

Reflecting on the event, Vinay Jaju, Managing Director, SwitchON Foundation stated, "Through the Move for Earth Symposium, we want to foster sustainability within communities by engaging diverse stakeholders, including govt, industries, NGOs, students, academia, farmers, SHGs and green entrepreneurs to engage in insightful discussions for a sustainable Jharkhand. The Symposium focuses on some of the very crucial issues of the environment like renewable energy, water conservation, sustainable Agriculture, Circular Economy, and Clean Air which must be tended for a sustainable Jharkhand."

Meanwhile, Chief Guest, Dr Mahua Maji, MP, Rajya Sabha said, "It is really encouraging to witness the Move for the Earth Symposium jointly organized by XISS and SwitchON Foundation for the sustainable development of Jharkhand. The environment today is in a crisis and it requires commitment to create awareness and promote solutions and actions."

Around 250 participants and 20 speakers joined the event to discuss and deliberate on pressing environmental issues and sustainable themes. Technical sessions delved into critical topics such as Millet for Sustainability, Waste Management and Behavioral Change, and Decarbonizing Industries and Corporate Sustainability. These sessions provided a platform for in-depth discussions, and workshops facilitated by experts and industry leaders.

Chandra Sekhar, Secretary, Rural Development, GoJ, emphasized on the importance of collaborative efforts across various sectors to achieve the Sustainable Development Goals (SDGs).

The symposium also featured a Green Pitchathon, where innovative ideas promoting Green Technologies were presented to a distinguished jury panel. An exhibition cum sale was also organized where farmer producer groups and students displayed clean energy, healthy living, and healthy food habits through their display.

The Valedictory Session highlighted key insights from the symposium and acknowledged outstanding contributions with awards and recognitions.

**PRESS : PIONEER**

# पर्यावरण के मुख्य क्षेत्रों को लक्षित कर हम परिवर्तन के प्रबंधक बनें

**नवीन मेल संवाददाता। रांची**

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची और स्विचऑन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान निकालने और स्थिरता की दिशा में सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम 2024 का आयोजन शुक्रवार को संस्थान परिसर में किया।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण से सम्बंधित विषयों की तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, झारखंड राज्य के हितधारकों ने इस सिम्पोजियम में भाग लिया। जिसका उद्देश्य सकारात्मक बदलाव के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना था। इस आयोजन में सरकार, उद्योग, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षा जगत और अन्य सहित कई क्षेत्रों से सक्रिय भागीदारी देखी गई। सिम्पोजियम की शुरूआत उद्घाटन सत्र में विकास और नवीनीकरण के प्रतीक पौधों को पानी देने से हुई, जिसके बाद सम्मानित

## एक्सआईएसएस व स्विचऑन फाउंडेशन की ओर से 'मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम' का आयोजन

वक्ताओं ने संबोधन दिए। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने अपने स्वागत भाषण में कहा, एक्सआईएसएस को स्विचऑन फाउंडेशन के साथ पर्यावरण से सम्बंधित इस साझेदारी पर गर्व है। इस प्रयास से हम अर्थशास्त्र, सामाजिक और पर्यावरण के तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लक्षित करते हैं और अब हमें परिवर्तन के प्रबंधक बनना चाहिए। एक आदिवासी राज्य के रूप में, हम पर्यावरण संरक्षण के तरीकों को बेहतर जानते हैं क्योंकि वे कई शताब्दियों से चलन में हैं और अब बेहतर भविष्य के लिए उनका प्रयोग पर्यावरण की सुरक्षा के लिए शुरू करना होगा, जिससे समाज वह आवश्यक बदलाव आये जो हमारे आने वाली पीढ़ी को जीवन का वरदान दे।

"इस कार्यक्रम पर अपने विचार देते हुए,फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक, विनय जाजू ने कहा, मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम के माध्यम से, हम सरकार, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, छात्रों, शिक्षाविदों, किसानों, एसएचजी सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल करके समुदायों के भीतर स्थिरता को बढ़ावा देना चाहते हैं।

**PRESS : RASHTRIYA NAVIN MAIL**

SOCIAL NEWS SEARCH

# एक्सआईएसएस एवं स्विचऑन फाउंडेशन ने किया “मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम 2024” का आयोजन

राँची

February 16, 2024 Social News Search

Leave A Comment

**रांची :** जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची और स्विचऑन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान निकालने और स्थिरता की दिशा में सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए "मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम 2024" का आयोजन शुक्रवार को संस्थान परिसर में किया.

## ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण से सम्बंधित विषयों की तत्काल आवश्यकता

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण से सम्बंधित विषयों की तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, झारखंड राज्य के हितधारकों ने इस सिम्पोजियम में भाग लिया, जिसका उद्देश्य सकारात्मक बदलाव के लिएघ सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना था. इस आयोजन में सरकार, उद्योग, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षा जगत और अन्य सहित कई क्षेत्रों से सक्रिय भागीदारी देखी गई.

# सिम्पोजियम की शुरुआत उद्घाटन सत्र में विकास और नवीनीकरण के प्रतीक

सिम्पोजियम की शुरुआत उद्घाटन सत्र में विकास और नवीनीकरण के प्रतीक पौधों को पानी देने से हुई, जिसके बाद सम्मानित वक्ताओं ने संबोधन दिए. एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने अपने स्वागत भाषण में कहा, "एक्सआईएसएस को स्विचऑन फाउंडेशन के साथ पर्यावरण से सम्बंधित इस साझेदारी पर गर्व है. इस प्रयास से हम अर्थशास्त्र, सामाजिक और पर्यावरण के तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लक्षित करते हैं और अब हमें परिवर्तन के प्रबंधक बनना चाहिए. एक आदिवासी राज्य के रूप में, हम पर्यावरण संरक्षण के तरीकों को बेहतर जानते हैं क्योंकि वे कई शताब्दियों से चलन में हैं और अब बेहतर भविष्य के लिए उनका प्रयोग पर्यावरण की सुरक्षा के लिए शुरू करना होगा, जिससे समाज वह आवश्यक बदलाव आये जो हमारे आने वाली पीढ़ी को जीवन का वरदान दे."

# स्विचऑन फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक

इस कार्यक्रम पर अपने विचार देते हुए, स्विचऑन फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक, श्री विनय जाजू ने कहा, "मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम के माध्यम से, हम सरकार, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, छात्रों, शिक्षाविदों, किसानों, एसएचजी सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल करके समुदायों के भीतर स्थिरता को बढ़ावा देना चाहते हैं. हरित उद्यमियों का झारखंड के पर्यावरण के लिए व्यावहारिक चर्चा में शामिल होना आवश्यक है. इस सिम्पोजियम में पर्यावरण के कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, टिकाऊ कृषि, परिपत्र अर्थव्यवस्था और स्वच्छ हवा पर केंद्रित है, जो एक स्थायी झारखंड के लिए महत्वपूर्ण है."

इस बीच, मुख्य अतिथि, डॉ महुआ माझी, सांसद, राज्यसभा ने कहा, "झारखंड के सतत विकास के लिए एक्सआईएसएस और स्विचऑन फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मूव फॉर द अर्थ सिम्पोजियम को देखना वास्तव में उत्साहजनक है. पर्यावरण आज संकट में है और इसके लिए जागरूकता पैदा करने और समाधानों और कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता है."

पर्यावरणीय मुद्दों और सम्बंधित विषयों पर चर्चा और विचार-विमर्श करने के लिए लगभग 250 प्रतिभागी और 20 वक्ता इस कार्यक्रम में शामिल हुए. तकनीकी सत्रों में स्थिरता के लिए बाजरा, अपशिष्ट प्रबंधन और व्यवहार परिवर्तन, और डीकार्बोनाइजिंग उद्योग और कॉर्पोरेट स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई. इन सत्रों ने गहन चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया जहाँ विशेषज्ञों और उद्योग जगत के एक्सपर्ट्स ने अपने विचार इस कार्यशाला के दौरान रखे.

सिम्पोजियम के दौरान श्री चंद्र शेखर, आईएएस, सचिव, ग्रामीण विकास, ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया.

**PRESS : SOCIAL NEWS SEARCH**

Neither tomorrow nor today, it's now
LENS EYE
News Portal

BREAKING NEWS | LATEST NEWS | कैंपस | झारखण्ड

# एक्सआईएसएस एवं स्विचऑन फाउंडेशन ने किया "मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम 2024" का आयोजन

February 16, 2024 Lens Eye News Comment(0)

राची, झारखण्ड | फरवरी | 16, 2024 ::

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची और स्विचऑन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान निकालने और स्थिरता की दिशा में सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए "मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम 2024" का आयोजन शुक्रवार को संस्थान परिसर में किया।
ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण से सम्बंधित विषयों की तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, झारखंड राज्य के हितधारकों ने इस सिम्पोजियम में भाग लिया, जिसका उद्देश्य सकारात्मक बदलाव के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना था। इस आयोजन में सरकार, उद्योग, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षा जगत और अन्य सहित कई क्षेत्रों से सक्रिय भागीदारी देखी गई।

सिम्पोजियम की शुरुआत उद्घाटन सत्र में विकास और नवीनीकरण के प्रतीक पौधों को पानी देने से हुई, जिसके बाद सम्मानित वक्ताओं ने संबोधन दिए। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने अपने स्वागत भाषण में कहा, "एक्सआईएसएस को स्विचऑन फाउंडेशन के साथ पर्यावरण से सम्बंधित इस साझेदारी पर गर्व है। इस प्रयास से हम अर्थशास्त्र, सामाजिक और पर्यावरण के तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लक्षित करते हैं और अब हमें परिवर्तन के प्रबंधक बनना चाहिए। एक आदिवासी राज्य के रूप में, हम पर्यावरण संरक्षण के तरीकों को बेहतर जानते हैं क्योंकि वे कई शताब्दियों से चलन में हैं और अब बेहतर भविष्य के लिए उनका प्रयोग पर्यावरण की सुरक्षा के लिए शुरू करना होगा, जिससे समाज वह आवश्यक बदलाव आये जो हमारे आने वाली पीढ़ी को जीवन का वरदान दे।"

इस कार्यक्रम पर अपने विचार देते हुए, स्विचऑन फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक, विनय जाजू ने कहा, "मूव फॉर अर्थ सिम्पोजियम के माध्यम से, हम सरकार, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, छात्रों, शिक्षाविदों, किसानों, एसएचजी सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल करके समुदायों के भीतर स्थिरता को बढ़ावा देना चाहते हैं। हरित उद्यमियों का झारखंड के पर्यावरण के लिए व्यावहारिक चर्चा में शामिल होना आवश्यक है। इस सिम्पोजियम में पर्यावरण के कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, टिकाऊ कृषि, परिपत्र अर्थव्यवस्था और स्वच्छ हवा पर केंद्रित है, जो एक स्थायी झारखंड के लिए महत्वपूर्ण है।"

इस बीच, मुख्य अतिथि, डॉ महुआ माझी, सांसद, राज्यसभा ने कहा, "झारखंड के सतत विकास के लिए एक्सआईएसएस और स्विचऑन फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मूव फॉर द अर्थ सिम्पोजियम को देखना वास्तव में उत्साहजनक है। पर्यावरण आज संकट में है और इसके लिए जागरूकता पैदा करने और समाधानों और कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।" पर्यावरणीय मुद्दों और सम्बंधित विषयों पर चर्चा और विचार-विमर्श करने के लिए लगभग 250 प्रतिभागी और 20 वक्ता इस कार्यक्रम में शामिल हुए। तकनीकी सत्रों में स्थिरता के लिए बाजरा, अपशिष्ट प्रबंधन और व्यवहार परिवर्तन, और डीकार्बोनाइजिंग उद्योग और कॉर्पोरेट स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इन सत्रों ने गहन चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया जहाँ विशेषज्ञों और उद्योग जगत के एक्सपर्ट्स ने अपने विचार इस कार्यशाला के दौरान रखे।

सिम्पोजियम के दौरान श्री चंद्र शेखर, आईएएस, सचिव, ग्रामीण विकास, ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

सिम्पोजियम में एक ग्रीन पिचथॉन भी आयोजित किया गया, जहां ग्रीन टेक्नोलॉजीज को बढ़ावा देने वाले नवीन विचारों को एक प्रतिष्ठित जूरी पैनल के सामने प्रस्तुत किया गया। इस सिम्पोजियम में एक प्रदर्शनी-सह-बिक्री भी आयोजित की गई थी जहां किसान उत्पादक समूहों और छात्रों ने अपने प्रदर्शन के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा, स्वस्थ जीवन और स्वस्थ भोजन की आदतों का प्रदर्शन किया। अंजनी ई-कचरा पुनर्चक्रण, कोरू फाउंडेशन, स्वाभिमान संस्थान, शिविका शिल्पकारी सहकारी सहयोग समिति लिमिटेड, वैष्णवी इंजीनियरिंग, पलाश-एसएचजी से किसान उत्पादक बने संगठन, सरायपुर महिला समिति, महिलाओं के लिए तोरपा ग्रामीण विकास सोसायटी, कोलेबिरा किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड, अराउज़ परिवार नामक

संगठन , और स्वाभिमान परियोजना ने अपने स्थानीय उत्पादों जैसे इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट रीसाइक्लिंग, पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद जैसे कंघी, टूथब्रश, डायरी, बांस उत्पाद, स्थानीय निर्मित एलईडी स्ट्रीट लाइट, बाजरा आधारित स्नैक्स, वन शहद, पैक इमली, पीठा, चावल, और किचेन गार्डन का प्रदर्शन किया। स्टॉल में मॉडल, जलवायु स्मार्ट कृषि, शून्य बजट प्राकृतिक खेती सहित अन्य चीजें भे शामिल थे। इस बीच, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, गोला पॉलिटेक्निक और केके पॉलिटेक्निक, धनबाद के छात्रों ने सीवेज अपशिष्ट प्रबंधन विधि, माइक्रोबियल ऊर्जा उत्पादन, सोलर वेंडर लाइट, किक स्कूटर और गियरलेस पावर ट्रांसमिशन का प्रदर्शन किया। यह आयोजन पर्यावरण अनुकूल और संबद्ध उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री थी। समापन सत्र में सिम्पोजियम की प्रमुख जानकारियों पर प्रकाश डाला गया और पुरस्कारों एवं सम्मानों के साथ उत्कृष्ट योगदान को प्रतिभागियों के बीच वितरित किया गया।

सिम्पोजियम में संस्थान के डीन एकेडमिक्स, डॉ अमर एरोन तिग्गा, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के प्रमुख, डॉ अनंत कुमार के साथ सभी फैकल्टी सदस्य और प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ-साथ एक्सआईएसएस के अन्य फैकल्टी सदस्यों और स्विचऑन फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

डॉ राज श्री वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एक्सआईएसएस ने धन्यवाद ज्ञापन में आभार व्यक्त किया और सिम्पोजियम को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

**PRESS : LENSEYENEWS**